Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. XI, Issue No. 22, July-2016, ISSN 2230-7540

सक्रिय अधिगम विधि द्वारा कक्षा शिक्षण की प्रभावशीलता पर एक शोध

Dr. Rakesh Kumar David*

Assistant Professor

सारांश – ***प्रस्तुत शोध पत्र में कक्षा शिक्षण को प्रभावशाली बनाने में सक्रिय अधिगम विधि कि प्रभावशीलता पर शोध किया गया है। उक्त शोध हेतु छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के हसदेव एजुकेशन महाविद्यालय के बी.एड. के*** 25-25 ***छात्राध्यापकों को यादृच्छिक विधि से चयन कर सम्मिलित किया गया। छात्राध्यापकों का सक्रिय अधिगम विधि एवं परंपरागत विधि पर आधारित-अभ्यास पाठ योजनाएं बनाने और उसके प्रस्तुतिकरण के संबंध में कालखण्डों में बारी-बारी से प्रभारी तथा अनुसंधानकर्ता के सम्मुख प्रस्तुत करवाया गया। शोधकर्ता अध्यापन अभ्यास अवलोकन के लिए*** 15 ***बिन्दुओं पर आधारित एक अवलोकन पत्र का निर्माण किया। अध्यापन में पाया गया कि सक्रिय अधिगम प्रविधि एवं परंपरागत विधि की तुलना में अधिक प्रविधियों का प्रयोग किया गया तथा सक्रिय अधिगम विधि परंपरागत विधि कि तुलना में अधिक प्रभावी रही है।***

----------X----------

प्रस्तावना:

किसी भी कार्य को करने के लिये विधियों एवं प्रविधियों का होना अति आवश्यक है। उसी प्रकार शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षण प्रविधियों या विधियों का होना अति आवश्यक है। यदि शिक्षण प्रक्रिया में सक्रिय विधि का प्रयोग किया जाता है तो अध्यन-अध्यापन में वृद्धि होती है एवं उनमें गुणवक्ता उत्पन्न होती है। बी.एड कक्षा में छात्र अध्यापक/छात्र अध्यापिका/छात्र अध्यापिकायें शिक्षण विधियों को शिक्षण अभ्यास के दौरान प्रयोग करें, यह भी सिखलाया जाता है। शिक्षण अभ्यास के दौरान यदि छात्र अध्यापक/ छात्र अध्यापिका परम्परागत शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते हैं तो कक्षा- कक्ष पूर्ण रुप से सक्रिय नही बन पाता है, लेकिन छात्र अध्यापक/छात्र अध्यापिका शिक्षण अभ्यास के दौरान सक्रिय अधिगम प्रक्रिया का प्रयोब करते है तो शिक्षण अभ्यास प्रभावशाली होता है और कक्षा - कक्ष सक्रिय रहता है। शिक्षक यदि कक्षा में सक्रिय अधिगम प्रक्रिया प्रविधियों का प्रयोग करता है तो छात्र अपने कक्षा - कक्ष में मन लगाते है। जब सक्रिय अधिगम का प्रयोग किया जाता है तब छात्रों में पढ़ाई करने की जिज्ञासा उत्पन्न होती है। एक शिक्षक के मन में हमेशा उत्पन्न होना चाहिए कि हम अपने कक्षा में कौन- कौन सी विधियों या प्रविधियों का प्रयोग करे जिससे शिक्षण पद्धति में सुधार हो यह अति आवश्यक है कि हम वर्तमान में चले आ रहे शिक्षण पद्धतियों एवं तकनीकों में भी समय के साथ - साथ शिक्षण के नई तकनीकों में भी आवश्यक सुधार करते चले। यदि हमें शिक्षा अभ्यास के दौरान सक्रिय अधिगम प्रविधि का प्रयोग करते है तो शिक्षण अभ्यास प्रक्रिया प्रभावशाली होगी। शिक्षण अभ्यास के दौरान छात्र अध्यापक/ छात्र अध्यापिका द्वारा कक्षा-कक्ष में शिक्षण अभ्यास कार्य की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों के चेहरे पर चमक, उल्लास और रुचि दिखाई दे। काल खण्ड के अंत में विषय- वस्तु अधिगम अभ्यास के पश्चात यदि छात्र के चेहरे पर संतुष्टि दिखाई दे इसके लिए जरुरी है शिक्षक की शिक्षण प्रक्रिया प्रभावशाली हो और यह तभी संभव हो सकता है, जब शिक्षक सक्रिय अधिगम प्रविधि को अपनाता है।

शिक्षण अभ्यास के दौरान छात्र अध्यापक/ अध्यापिका को यह चिंतन करना चाहिए कि मुझे व्यावहारिक रुप से कितनी विधियों का ज्ञान है? मुझे अपने विद्यार्थीयों के बारे में कितनी जानकारी है? क्या हमारे कक्षा में छात्र पूर्ण रुप से ध्यान दे पाते है? क्या मेरे द्वारा पढ़ाये गये पाठ को छात्र ठीक से समझ पा रहे हैं? यदि शिक्षण अभ्यास के दौरान इस पर विचार किया जाए तो शिक्षण अभ्यास के दौरान इस पर विचार किया जाए तो शिक्षण अभ्यास सफल होता है और ये सभी संभव होगा जब छात्र अध्यापक/ अध्यापितका सक्रिय अधिगम प्रविधि को अपनाता है। छात्र हमेशा चाहता है कि मुझे अच्छे शिक्षक चाहिए, क्योंकि वे हमें अच्छा ज्ञान दे, अच्छे तरह से समझाए

www.ignited.in

और यह भी संभव है जब शिक्षक कक्षा में सक्रिय होकर पढ़ाये और उनकी कक्षा प्रभावशाली हो। शिक्षक चाहे प्रशिक्षित हो या अप्रशिक्षित या प्रशिक्षण संस्था में अध्यनरत। अध्यापन अभ्यास में बी.एड. के छात्र अध्यापक/अध्यापिकाओं के माध्यम से यह देखा गया कि माध्यमिक या उच्च माध्यमिक स्तर में अध्यापन के दौरान जब अध्यापन अभ्यास का अवलोकन किया जाता है तब परम्परागत विधि पर आधारित पाठ योजना के समय कक्षा 8, 9, 10, 11 और 12 के छात्र रुचि नही लेते हैं, इसके परिणाम स्वरुप कक्षा-कक्ष निश्क्रिय हो जाती है और 40, 45 मिनट का कालखण्ड शिक्षक- केन्द्रित होकर रह जाता है और एक सीमित प्रक्रिया में निर्देशों के अधीन पाठ का समापन हो जाता है लेकिन यदि बी.एड. के छात्र अध्यापक/अध्यापिका अध्यापन अभ्यास के दौरान कक्षा में सक्रिय अधिगम प्रविधि का प्रयोग करते है तो कक्षा हमेशा सक्रिय रहती है और छात्र पढ़ाई में रुचि लेते है एवं मन लगाकर पढ़ाई भी करते है, इससे छात्र आनंदित होते है और इसमें शिक्षक केन्द्रित न होकर छात्र केन्द्रित भी होते है, जिसके परिणाम स्वरुप कक्षा का वातावरण संतुष्टि परक हो जाता है।

सक्रिय अधिगम प्रविधि की आवश्यकता:-

यह देखा गया कि अभी तक शिक्षक या बी.एड. के छात्र अध्यापक/अध्यापिकाओं में अध्यापन अभ्यास के दौरान माध्यमिक या उच्च माध्यमिक शालाओं में अध्ययनरत शिक्षक या प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक परंपरागत विधि या प्रविधि से पाठ योजनाओं को बनाकर शिक्षण कार्य या अध्यापन अभ्यास कार्य को सम्पन्न कराते है जिसके मूल्यांकन में यह पाया जाता है कि परम्परागत विधि से सम्पन्न कराया गया शिक्षण अध्यापन अभ्यास निश्क्रिय या नीरस और उबाऊ होता है। जिसके परिणाम स्वरुप शिक्षण का लक्ष्य व्यर्थ हो जाता है। इसलिये एक शिक्षक या अध्यनरत शिक्षक (छात्र अध्यापक/ अध्यापिका) द्वारा अध्यापन अभ्यास के दौरान सक्रिय अधिगम प्रविधि का प्रयोग किया जाना चाहिए, ताकि अध्यापन अभ्यास रोचक, रुचिकर एवं आनंददायी हो सके और बच्चों की सहभागिता मौजूद हो सके। कक्षा- कक्ष सक्रिय बना रहे इसलिये बी.एड. के प्रशिक्षकों के लिए अध्यापन अभ्यास के दौरान सक्रिय विधि की आवश्यकता है ताकि अध्यापन अभ्यास रुचिकर, आनंददायी व गतिविधि केन्द्रित होकर छात्र को कक्षा में रखा जा सके। इसलिये बी.एड. के छात्र अध्यापक/अध्यापिकाओं को सक्रिय अधिगम प्रविधि पर आधारित पाठ योजना का निर्माण करने अध्यापन अभ्यास करवा कर कक्षा के छात्रों के व्यवहार में आए परिवर्तनों को देखा जा सकता है। माध्यमिक या उच्च माध्यमिक स्तर के कक्षाओं में सक्रिय अधिगम प्रविधि (एक्टिवलर्निंग मैथड) पर आधारित पाठ योजना आवश्यक है –

- माध्यमिक या उच्च माध्यमिक स्तर के कक्षा में छात्र अध्यापक/छात्र अध्यापिकाओं के द्वारा किया गया अध्यापन अभ्यास से कक्षा को सक्रिय बनाने हेतु।
- बी.एड. कक्षा में अध्यनरत छात्र अध्यापक/ अध्यापिका अध्यापन अभ्यास के दौरान कक्षा में अधिगम प्रविधियों को प्रयोग करने में दक्ष हो सके।
- माध्यमिक या उच्च माध्यमिक कक्षा में छात्र-शिक्षक के बीच सक्रियता बनाने हेतु जिसके माध्यम से कक्षा- कक्ष अन्तः क्रिया सूचारु रुप से चलाने हेतु।
- कक्षा में छात्र अध्यापकों/ अध्यापिकाओं की अध्ययन अभ्यास प्रक्रिया में उचित सूधार हेतु।
- बी.एड. कक्ष में अध्यनरत छात्र अध्यापक/अध्यापिकाओं को अध्यापन अभ्यास में सक्रिय प्रविधि का प्रयोग करने हेतु विभिन्न विशिष्ट शिक्षण विधि एवं आधुनिक शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करने हेतु।
- परम्परा से चले आ रहे शिक्षण विधियों को हटाकर नये शिक्षण प्रविधियों को अध्यापन अभ्यास में प्रयोग लाने हेतु।

अध्ययन के उद्देश्य:-

1. बी.एड. के छात्र अध्यापक/अध्यापिकाओं के माध्यम से शिक्षण अभ्यास के दौरान सक्रिय अधिगम विधि से अध्यापन अभ्यास कराना।
2. माध्यमिक या उच्च माध्यमिक के कक्षाओं में छात्र अध्यापक/छात्र अध्यापिकाओं के द्वारा सक्रिय अधिगम विधियों को प्रयोग करके कक्षा-कक्ष को रोचक बनाना।
3. सक्रिय अधिगम विधि को पाठ योजना में शामिल करना एवं परम्परागत शिक्षण विधि को नई तकनीकी विधि में परिवर्तन करके अध्यापन में सक्रियता लाना।

न्यादर्श:-

इस क्रियात्मक अनुसंधान के लिये छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के हसदेव एजुकेशन महाविद्यालय के बी.एड. के 25.25 छात्राध्यापकों को यादृच्छिक विधि से चयन कर सम्मिलित किया गया है।

उपकरण:-

इस अनुसंधान के लिये सक्रिय अधिगम विधि एवं परम्परागत प्रविधि पर आधारित अध्यापन- अभ्यास अवलोकन प्रपत्र को उपकरण के रुप में सम्मिलित किया गया है।

कार्य प्रणाली:-

छात्राध्यापकों का सक्रिय अधिगम प्रविधि पर आधारित अध्यापन – अभ्यास पाठ योजनाएं बनाने और उसके प्रस्तुतीकरण के संबंध में कालखंड़ो में बारी – बारी से सक्रिय अधिगम प्रविधि प्रभारी तथा अनुसंधानकर्ता के सम्मुख प्रस्तुत करवाया गया तथा छात्राध्यापकों को परम्परागत विधि पर आधारित पाठ योजना को बनाने एवं उसके प्रस्तुतीकरण के संबंध में कालखण्डों में बारी-बारी से प्रभारी तथा अनुसंधानकर्ता के सम्मूख प्रस्तुत करवाया गया। अनुसंधानकर्ता अध्यापन – अभ्यास अवलोकन के लिये 15 बिन्दुओं पर आधारित एक अवलोकन प्रपत्र का निर्माण किया।

निष्कर्ष:

निष्कर्ष के तौर पर हम कह सकते है कि इस अनुसंधान के विश्लेषण एवं अवलोकन से यह निष्कर्ष निकलता है कि कक्षा कक्ष को सक्रिय बनाने के लिये एक्टिव लर्निंग मैथड का प्रयोग किया जाए तो कक्षा में अध्यापन क्रिया सफल होगी। परम्परागत विधि की अपेक्षा शिक्षण अधिगम में यदि एक्टिव लर्निंग मैथथ का प्रयोग किया जाय तो बी.एड. के छात्रों में अध्यापन अभ्यास में रोचकता उत्पन्न होगी।

सक्रिय अधिगम प्रविधि (एक्टिव लर्निंग मैथड) बी.एड. के छात्र अध्यापक/अध्यापिका द्वारा अध्यापन अभ्यास में प्रयोग किये जाने पर सम्पूर्ण अधिगम के समय छात्र एवं शिक्षक को सक्रिय बनाये रखने के लिये नजर आती है। एक्टिव लर्निंग मैथड अध्यापन अभ्यास को परम्परागत विधि से घटाकर नवीनतम शिक्षण गये पाठ को बच्चों को समझ में आता है और छात्र आनंदित होने के साथ छात्र केन्द्रिय कक्षा होती है जिसके परिणाम स्वरुप कक्षा का वातावरण संतुष्टिपरक बन जाता है सक्रिय अधिगम प्रविधि के अंतर्गत छात्र में समुख मॉडल, चार्ट, माइन्ड मैप, वेब थीम, अभिनय, श्लाक सूत्र, किम, क्रोनोलॉग, वाय टेम्पलेट एवं क्लोज टेस्ट इत्यादि प्रविधि का प्रयोग किया जाता है तो कक्षा कक्ष में विद्यार्थियों के चेहरे पर चमक, उल्लास और रुचि दिखाई देती है। यदि बी.एड. के प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा शिक्षण अभ्यास पाठ योजना में एक्टिव लर्निंग मैथड का प्रयोग करते हैं तो उनकी कक्षा में उपस्थित छात्र भी सक्रिय रहते है। इस विधि का प्रयोग करने से छात्रों में पढ़ाई करने की जिज्ञासा उत्पन्न होती है। परम्परागत प्रविधियों से पढ़ाये गये पाठ में छात्र सहभागिता नही होती है लेकिन एक्टिव लर्निंग मैथड में छात्र सहभागिता मौजूद होती है। प्रायः देखने में यह आता है कि शिक्षक, विद्यार्थियों से वही प्रश्न पुछते हैं, जो उनकी पाठ्य पुस्तक में दिये गये रहते है और विद्यार्थी भी रट कर इन प्रश्नों का उत्तर देते है। इस तरह के अध्ययन में मूल चरित्र, विशय पर समझ कहीं पीछे छूट जाता है और विद्यार्थी रटने की प्रवृत्ति की ओर अग्रसर होने लगता है।

सुझाव:

- शिक्षण अभ्यास प्रक्रियाओं को प्रभावशाली बनाने के लिये बी.एड. के प्रशिक्षणार्थियों को सक्रिय अधिगम प्रविधि (एक्टिव लर्निंग मैथड) का प्रयोग करना चाहिए।
- छात्र कक्षा कक्ष में बैठे- बैठे ऊब हो जाते है, क्यों कि शिक्षक द्वरा पढ़ाये गये पाठ को नही समझ पाते है यदि शिक्षक या प्रशिक्षणार्थी उस पाठ को रोचक बनाते है तो छात्र कक्षा में मन लगाकर उपस्थित होते है। इसलिए एक्टिव लर्निंग मैथड का प्रयोग करना चाहिए।
- बी.एड. के पाठ्यक्रम में अध्यापन अभ्यास के दौरान जो पाठ योजना बनाई जाती है वह परम्परागत प्रविधियों एवं विधियों से बनाया जाता है, यदि इस अध्यापन के दौरान पाठ योजना में एक्टिव लर्निंग मैथड का प्रयोग किया जाए जो कक्षा कक्ष में ऊबाउपन उत्पन्न नही होगी।
- सीखना तभी संभव है जब सिखने और सिखाने वाले दोनों सक्रिय हो। बीएड. की कक्षाओं में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावशाली बनाने हेतु सक्रिय अधिगम प्रविध का प्रयोग करना चाहिए।
- सक्रिय अधिगम प्रविधि (एक्टिव लर्निंग मैथड) के अंतर्गत बहुत सारे प्रविधियां मौजूद है जैसे- माइन्ड मैप, वेब थीम, अनिनय, क्लोज टेस्ट, ष्लोक सूत्र, एवं अन्य ये सभी प्रविधियों का प्रयोग शिक्षक को करना चाहिए ताकि कक्षा में छात्र ध्यान दे एवं अधिगम की प्रक्रिया आनंदित हो।

www.ignited.in

- कक्षा में शिक्षा को प्रभावशाली बनाने के लिये उचित शिक्षण विधि का प्रयोग करना अत्यंत आवष्यक है। परम्परागत हिक्षण विधि में व्याख्यान तथा ब्लैक बोर्ड विधि का प्रयोग किया जाता है। इस शिक्षण विधि में व्याख्यान तथा ब्लैक बोर्ड विधि का प्रयोग किया जाता है। इस शिक्षण विधि में शिक्षक व्याख्यान देता है और छात्र होकर सुनते है। इसलिए शिक्षक को अधिगम प्रक्रिया के दौरान सक्रिय अधिगम प्रविधि (एक्टि लर्निंग मेथड) का प्रयोग करना चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूची:

शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान - प्रो.के.पी. पाण्डेय एवं डॉ. अमिता शर्मा।

सक्रिय अधिगम प्रविधि (ए.एल.एम) शिक्षक प्रशिक्षण संदर्शीका - मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल।

छ.ग. राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं परिषद् द्वारा आयोजित कार्यक्रम।

Corresponding Author

Dr. Rakesh Kumar David*

Assistant Professor